(1) 16/9/20

B.A. / B.Sc.
Part 1
Hindi ~~[illegible]~~
रचना।

डॉ. अनमोल कुमार
एसोसिएट प्रोफेसर
हिंदी विभाग,
एस॰ एम॰ कॉलेज,
जहानाबाद

प्रश्न:— रामवृक्ष बेनीपुरी रचित 'बुधिया' शीर्षक रेखा का सारांश प्रस्तुत करें।

अथवा

बुधिया शीर्षक पाठ में निहित विशेषताओं का उल्लेख करें।

उत्तर:— रामवृक्ष बेनीपुरी हिन्दी गद्य साहित्य में रेखाचित्र या शब्द चित्र नामक विधा के प्रवर्तक माने जाते हैं। बुधिया शीर्षक रचना इनकी विशिष्ट भाषा-शैली में रोचक और प्रभावशाली रचना है। रेखाचित्र में चन्द रेखाओं या तथ्यों के आधार पर जीवन के पहलुओं को रेखांकित किया जाता है। इसी आधार पर बेनीपुरी जी ने यहाँ बुधिया के जीवन के कटु तथ्यों को यहाँ रेखांकित किया है।

बुधिया शीर्षक पाठ में लेखक ने गाँव की एक गरीब लड़की के बचपन, युवा और वृद्धावस्था का शब्द चित्र प्रस्तुत किया है। इसमें ग्रामीण परिवेश में नारी जीवन के यथार्थ से साक्षात्कार कराया गया है। गाँव की लड़कियाँ कब युवा होती है, कब उनकी जवानी समाप्त हो जाती है और कब वह वृद्ध हो जाती है यह पता ही नहीं चलता है। विवाह होते ही गाँव की लड़कियाँ बच्चों को जनम

 क्रमशः:—

B.A. I B.S.C. (2) 16/9/20 क्रमांक:
Roll no. [illegible] हिन्दी रचना, बुधिया

बचपन में [illegible] जाती है। बचपन के दिनों में वह कई-कई बातें पैदा करती है और इस [illegible] में जवानी में ही वह वृद्धावस्था की देहलीज पर पहुँच जाती है। इस प्रकार पाठ की बुधिया ~~[illegible]~~ की भी यही स्थिति है।

जब बुधिया बारह-आठ सालों की बच्ची थी तो लेखक का पहला साक्षात्कार उससे हुआ था। वह गाँव की पिछड़ी [illegible] की [illegible] लड़की थी। उसके सिर के बाल [illegible] [illegible] थे। उसकी सूरत [illegible] थी। उसकी कमर में [illegible] है, [illegible] है, वह पिता के लकड़ी चलाने का कार्य करती है तथा [illegible] बालिका लड़कियों का खेल खेलती है। लकड़ी चलाने के क्रम में बुधिया के लकड़ी के बदले लेखक की [illegible] की पत्तियाँ [illegible] जाती है। पत्तियाँ चरने का [illegible] लेखक को होता है और वे उसे [illegible] देते हैं। इस आलोक में बुधिया विभिन्न स्तर में लेखक के [illegible] को [illegible] का विश्लेषण करती है। वह कहती है - [illegible] [illegible]। उसकी [illegible] [illegible] को [illegible] लेखक [illegible] [illegible] जाते हैं। लेखक को बुधिया का व्यक्तित्व [illegible] लगता है। उनसे [illegible] आत्मीयता हो जाती है। [illegible] उसका [illegible] देखते हैं [illegible] वह [illegible] के [illegible] में [illegible] वह मिट्टी का पुतला-कुन्दन और कोहनूर बन जाती है। इस रेखा में उसके हृदय के अनुमान है। यह बुधिया के बचपन का चित्र है।

Men are equal; it is not birth but virtue that makes the difference. - Voltaire

क्रमांक: —